दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/93 | जयपुर | 22 अप्रैल /2025 | मंगलवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

राजस्थान पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार, केस रफा-दफा करने के लिए लिया था 10000 रुपये

सवाई माधोपुर

राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की लगातार कार्रवाई चल रही है. आए दिन एक रिश्वत लेने से जुड़े मामले में एक न एक गिरफ्तारी हो रही है. सोमवार को सवाई माधोपुर जिले में एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. यहां पर एक हेड कॉन्स्टेबल रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक, हेड कॉन्स्टेबल एक मामले को रफा-दफा करने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था, जिसके बाद उसे 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. एसीबी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सवाई माधोपुर के रवांजना डूंगर थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल रणजीत सिंह को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके खिलाफ दर्ज एक मामले को रफा-दफा करने के लिए हेड कॉन्स्टेबल 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था. इसके बाद एसीबी ने शिकायत के सत्यापन के बाद सोमवार को आरोपी रणजीत सिंह को दस हजार रुपए की राशि प्राप्त करते हुये रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. एसीबी की टीम ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल से रिश्वत राशि भी बरामद कर ली है. आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दीया कुमारी बोलीं-खादी को बढ़ावा देने से रोजगार मिल सकेगा

जयपुर

राज्य में स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के प्रतीक खादी को बढ़ावा देने के लिए उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान के पहले खादी डिजाइनर स्टोर 'सेवा' का उद्घाटन किया। यह स्टोर शहर के बीचों-बीच गवर्नमेंट प्रेस चौराहे पर खोला गया है। इससे स्वदेशी के प्रयोग को राज्य में अधिक से अधिक बढ़ावा मिल सके और स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल सके। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा- खादी या खद्दर हाथ से काते और बुने हुए कपड़े होते हैं। इस पारंपरिक वस्त्र ने हमारे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसे आत्मनिर्भता का प्रतीक माना गया है। खादी को बढ़ावा देने से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा और स्वदेशी को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा- यह स्टोर खादी के आधुनिक परिधान भी शो केस करेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सशक्त हो सकेगा। इसके माध्यम से राज्य की महिला एवं अन्य लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वह पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे। राज्य सरकार की ओर से स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए लगातार खादी को बढ़ावा दिया जाएगा।

जयपुर में 28 को कांग्रेस की रैली, खड़गे आएंगे

जयपुर

केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस प्रदेश स्तर से लेकर बूथ तक अभियान शुरू करने जा रही है। 28 अप्रैल को जयपुर में कांग्रेस की संविधान बचाओ अभियान की प्रदेश स्तर की रैली होगी। इस रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ नेता आएंगें। खड़गे का संविधान बचाओ रैली के अलावा 2200 मंडल अध्यक्षों की अलग से बैठक को संबोधित करने का भी कार्यक्रम बन रहा है। रैली की जगह तय की जा रही है। 24 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रैली की तैयारियों के लिए बैठक बुलाई गई है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- संविधान बचाओ अभियान के तहत 28 अप्रैल को जयपुर में प्रदेश स्तरीय रैली होगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़े आएंगे। इसके बाद 3 से 10 मई तक सभी जिलों में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां होंगी और विधानसभा स्तर पर 11 मई से 17 मई तक रैलियां की जाएंगी। इसके बाद बूथ स्तर तक भी कार्यक्रम होंगे। डोटासरा ने कहा- 20 मई से 30 मई तक घर-घर अभियान चलेगा। इसके तहत कार्यकर्ता संविधान बचाओ अभियान के तहत लोगों को समझाएंगे की किस तरह से केंद्र सरकार लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने में लगी है।

कमलेश प्रजापत एनकाउंटर

पूर्व मंत्री हरीश चौधरी के खिलाफ सीबीआई को जांच के आदेश

एजेंसी

जोधपुर। एसीजेएम सीबीआई केसेज अदालत ने बाड़मेर के कमलेश प्रजापत एनकाउंटर मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को नकारते हुए पाली व बाड़मेर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रसंज्ञान लिया है।

अधिवक्ता अर्जुन सिंह ने बताया कि बाड़मेर के कमलेश प्रजापत एनकाउंटर मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ नाराजी याचिका पेश की थी, जिसके बाद कोर्ट ने कमलेश की पत्नी जशोदा की प्रोटेस्ट पिटीशन पर प्रसंज्ञान लेते हुए तत्कालीन पाली पुलिस अधीक्षक कालूराम रावत, बाड़मेर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा सहित पुलिस के अन्य अधिकारियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में संज्ञान लिया है। वहीं, तत्कालीन राजस्व मंत्री हरीश चौधरी व उनके भाई मनीष चौधरी और जोधपुर रेंज के तत्कालीन आईजी एन। गोगोई के खिलाफ सीबीआई को जांच कर दो माह में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

सिविल-सर्विस-डे पर सीएम बोले-जूनियर आपको देखकर सीखते है कि कौनसी स्याही कब और कहां चलानी है

सही काम करेंगे तो नींद ठीक आएगी : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। सिविल सर्विस डे के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि आपको तय करना है कि आपको क्या करना है। देश, समाज और माता-पिता के सम्मान के लिए क्या करना चाहिए। यह विचार आपके मन में रहेगा तो रात को नींद भी ठीक आएगी। किसी तरह की दिक्कत भी नहीं होगी। नहीं तो मैं देखता हूं कई लोग मेरे सामने आते हैं। मैं उनको कई बार देखता हूं, उनके मन में कुछ होता है। लेकिन उन्हें चिंता बहुत सताती है। चिंता का कारण कोई ओर नहीं होता, वे स्वयं होते हैं।

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि अगर हमारे मन में यह विश्वास होगा कि जिस दायित्व पर हम बैठे हैं। उसे पूर्ण करने की दृढ़ इच्छा होगी तो आपको कोई भी चिंता सताने वाली नहीं है। यह विश्वास मैं आपको दिलाता हूं। सीएम भजनलाल शर्मा सोमवार को ओटीएस में सिविल सर्विस डे पर आयोजित सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

जूनियर आपसे सीखते है कब कहां, क्या करना है

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- परिवार हो या समाज। नई पीढ़ी हमेशा बड़ों से सीखती है। मैं देखता हूं जो नए-नए अधिकारी आते हैं, वे बिल्कुल साफ, क्लीन और कोरे कागज की तरह आते हैं। वह आपसे सीखते हैं कि मुझे कौन सी स्याही चलानी है। कब चलानी है।

कभी-कभी हम इस बात को भूल जाते हैं। जो नीचे वाला सोच नहीं सकता, जिस रास्ते पर वो जाना नहीं चाहता। हम उसको वो रास्ता दिखा देते हैं। इससे उसका जीवन में भला नहीं होता है, लेकिन उसका बुरा करने की स्थिति हम बना देते हैं।

इस बात का भी हमें विचार करना चाहिए कि जो लोक सेवा में नया आया है उसे हमें कैसा बनाना है। मैं आपको आज स्पष्ट इसलिए बोल रहा हूं कि यह मेरे मन की बात हैं, जो मैं आपसे शेयर करना चाहता हूं। क्योंकि जैसी दृष्टि होगी, आगे वैसा ही काम होगा। इसलिए हम सभी जो सीनियर है, उनकी जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है। आपने लगता होगा कि कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति हम उसको अंधकार की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं। न सारी चीजों को समझते हुए हमें काम करना चाहिए।

आचरण में कमी होगी तो लोग अंगुली उठाएंगे

कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि एक लोक सेवक के नाते हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती हैं। हमारे व्यवहार पर सबकी नजर रहती हैं। अगर आचरण में कमी होगी तो लोग अंगुली भी उठाएंगे। हमे जो पद मिला है, उसमें अगर हम ऐसे लोगों की मदद करेंगे जिनका नाम और आवाज नहीं है। ऐसे लोगों के लिए अगर आप काम करेंगे तो आपको संतुष्टि मिलेगी। सीएस ने कहा कि मेरे ऑफिस में हमने एक समय निर्धारित कर रखा है। जिसमें मैं बिना किसी अपॉइंटमेंट के लोगों से मिलता हूं। उनकी समस्याएं हल करने का प्रयास करते हैं। लेकिन हर स्तर पर अगर ऐसा होगा तो यह लोगों की बहुत बड़ी सेवा होगी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और जवाबदेही एक अच्छे लोक सेवक की पहचान है।

कलक्टर और एसपी को जनसुनवाई करनी चाहिए

सीएम ने कार्यक्रम में वीसी से जुड़े प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों से निरंतर जनसुनवाई करने के लिए कहा। उन्होंने कहा जब भी मैं जिलों में जाता हूं तो मेरे सामने छोटी-छोटी समस्याएं आती हैं। इन छोटे-छोटे विवादों और समस्याओं को जनसुनवाई के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। लेकिन आप एक दिन जनसुनवाई करते हैं, फिर गई डेढ़ से दो महीने की। अगर आप इसका रूटीन बना लेंगे तो शुरू में जरूर समय लगेगा। धीरे-धीरे इनकी संख्या कम होती चली जाएगी। इसके साथ ही आप इन कामों की मॉनिटरिंग भी करे। इससे आपको भी संतुष्टि मिलेगी और जनता के काम भी बहुत सुगमता से होते चले जाएंगे।

कोटकासिम प्रधान ने एसीईओ को मारी तड़ा तड़ चप्पल, चप्पल मारने से गूंजा खैरथल कलेक्ट्रेट

मरुधर विशेष

जिला प्रमुख ने दोनों का कराया बीच- बचाव

मोहम्मद शकील /विजय सिंह खैरथल। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की जिले के अधिकारियों के साथ दिशा बैठक चल रही थी जिसमें सभी जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे, दिशा बैठक खत्म होने के बाद जिला कलेक्ट्रेट में कोटकासिम प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान ने जिला परिषद खैरथल - तिजारा के एसीईओ संजय यादव को लगातार कई चप्पल मारी है। वहीं मौजूद जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने दोनों का बीच- बचाव कराया और मामले को शांत करा दिया गया। प्रधान के द्वारा एसीईओ को मारी गई चप्पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसकी जिला कलेक्ट्रेट से लेकर आमजन में भी चर्चा चलती रही। बताया जा रहा है पूर्व में कोटकासिम प्रधान को फोन पर एसीईओ के द्वारा बत्तमीजी (गाली गलोच) की गई थी जिसकी प्रधान ने उच्च अधिकारियों को भी शिकायत की थी जिसकी जांच भी चल रही है। बताया जा रहा इसी बात को लेकर कहा सुनी हुई, जिसको लेकर प्रधान ने एसीईओ को चप्पल जड़ दी।

खाने के पैसे मांगे तो पुलिसवालों ने ढाबा-मालिक को पीटा, 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

कान से निकाला खून, जबरन थाने भी लेकर गए

भिवाड़ी। पुलिस कर्मियों ने ढाबे पर खाना खाने के बाद जब मालिक ने पैसे मांगे तो उन्होंने उसकी जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, गुस्साए पुलिसकर्मी ढाबा मालिक को जबरन अपनी गाड़ी में डालकर थाने ले गए। आरोप है कि थाने में भी पुलिसकर्मियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने ढाबा मालिक के साथ दोबारा मारपीट की। हमले में ढाबा मालिक के सिर और कान से खून बहने लगा। हालात बिगड़ते देख अन्य पुलिस कर्मियों को बीच-बचाव करना पड़ा और घायल होटल मालिक प्रदीप को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामला रविवार रात को 10.30 बजे खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी का है।

तीन पुलिसकर्मियों ने शराब पीकर खाना खाया

ढाबा मालिक प्रदीप कुमार ने बताया- भिवाड़ी थाने के कॉन्स्टेबल शांतिलाल, समय सिंह और राम सिंह रविवार रात को 10.30 बजे के करीब फूलबाग स्थित हमारे दिलखुश ढाबे पर पहुंचे। तीनों पुलिसकर्मियों ने ढाबे के सामने गाड़ी में बैठकर शराब पार्टी की और उसके बाद शराब के नशे में खाना खाया। खाना खाकर जैसे ही जाने लगे तो मैंने पुलिस कर्मियों से खाने के 230 रुपए मांगे। तीनों पुलिसकर्मियों ने पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद मैंने छूट देकर 150 रुपए मांगे। इस पर पुलिसकर्मियों ने उखड़ते हुए बात की और मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिसकर्मी शांतिलाल ने भिवाड़ी थाने में गाड़ी ड्राइवर अमराराम को फोन किया। जिसके बाद पुलिस की गाड़ी से अमराराम अपने साथ थाने से एएसआई सुरेंद्र सिंह के साथ ढाबे पर पहुंचे।

मारपीट कर गाड़ी में डाला

इसके बाद पांचों पुलिसकर्मियों ने मेरे और मेरे वर्कर्स के साथ मारपीट शुरू कर दी। गाली गलौज करते हुए मुझे और मेरे मामा हुकमसिंह को जबरदस्ती गाड़ी में डाल दिया। थाने ले जाकर पुलिस कर्मियों ने थाना अधिकारी के केबिन के सामने ही सीढ़ियों पर पटक कर होटल मालिक को बुरी तरह पीटा।

सीढ़ियों से दे मारा सिर

होटल की मारपीट के वीडियो डिलीट करने के लिए कॉन्स्टेबल शांतिलाल ने टॉर्चर करते हुए मेरी गर्दन अपने पैरों के नीचे दबाई और मोबाइल के पासवर्ड पूछे। मोबाइल पासवर्ड लेकर बनाई हुई फोटो वीडियो डिलीट कर दी। कॉन्स्टेबल ने मेरा सिर सीढ़ियों में दे मारा। जिससे सिर और कान के पास गहरी चोट लग गई और खून बह निकला। मामला बढ़ता हुआ देख अन्य पुलिस कर्मियों ने बीच बचाव किया और मुझे अस्पताल ले गए, यहां प्राथमिक उपचार के बाद रात को छुट्टी दे दी।

डीएसपी को सौंपी जांच

भिवाड़ी एसपी ज्योष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही तुरंत प्रभाव से पांचों पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस कर्मचारियों की इस तरह की हरकत किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूरे मामले की जांच भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी को सौंपी गई है।

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, प्रधानमंत्री आवास पर गर्मजोशी से किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस अपने उनके बच्चों के साथ नई दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय चर्चा होने की उम्मीद है।

इन दोनों नेताओं की चर्चा भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक, व्यापार और रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित हो सकती है। दोनों नेताओं की आधिकारिक बैठकों के बाद, उप राष्ट्रपति वेंस परिवार सहित जयपुर और आगरा का दौरा करेगा।

सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम गए वेंस

पीएम मोदी से मिलने से पहले वेंस, अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और अपने तीन बच्चों के साथ, सोमवार को नई दिल्ली के जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम गए, जहां उन्होंने पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प खरीदे।वहीं, वेंस ने स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का भी दौरा किया।

पालम एयरपोर्ट पर लैंड वेंस का विमान

अमेरिका के उपराष्ट्रपति 4 दिवसीय दौरे के लिए दिल्ली में हैं। इससे पहले वेंस का प्लेन दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जेडी वेंस और उनके परिवार का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया।

धौलपुर-गंगानगर में पारा 41.8 डिग्री सेल्सियस

राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट, जयपुर-बीकानेर में स्कूलों का समय बदला

एजेंसी

जोधपुर में भीषण गर्मी से बचने के लिए आरएसी की टीम ने बस के चारों ओर बोरी के टुकड़े बांध दिए।

जयपुर। राजस्थान में हीटवेव के अलर्ट को देखते हुई जयपुर और बीकानेर में स्कूलों का समय बदला गया है। जयपुर में प्री-प्राइमरी से 8वीं कक्षा तक के स्टूडेंट का स्कूल का समय सुबह 7.30 से 11.30 बजे तक का रहेगा। वहीं बीकानेर में 8वीं क्लास तक के स्कूल सुबह 7 से 11 बजे तक खुलेंगे।

इधर, बाड़मेर, जोधपुर, उदयपुर में सोमवार दिन के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई, जबकि जयपुर, कोटा, चूरू के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई।

सोमवार को सबसे ज्यादा तापमान धौलपुर,गंगानगर में 41.8 और बाड़मेर में 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में अधिकतम तापमान 40.4, फलोदी में 40.6, कोटा में 41.1, पिलानी में 41.2 और टोंक में 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में अधिकतम तापमान में गिरावट हुई। जयपुर में पारा 39 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया।

वहीं, रविवार रात जोधपुर, जैसलमेर समेत कई शहरों में रात के तापमान में भी गिरावट हुई। बारां, सिरोही, फतेहपुर और पाली में बीती रात न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

सबसे गर्म रात कल जयपुर में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में 22-23 अप्रैल से फिर से गर्मी तेज होने लगेगी।

अगले 2-4 दिन कई शहरों में दिन का तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है।

इस कारण 23 अप्रैल को राज्य के 7 जिलों में हीटवेव चलने का येलो अलर्ट भी जारी किया है।

17 शहरों में पारा 40 डिग्री से नीचे

राजस्थान में 17 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। इसमें जयपुर के अलावा अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, उदयपुर, बारां, डूंगरपुर, सिरोही, फतेहपुर, करौली, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, हनुमानगढ़, जालोर, प्रतापगढ़ और झुंझुनूं में अधिकतम तापमान 37 से लेकर 39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ।

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

विश्व पृथ्वी दिवस

ललित गर्ग

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बबार्दी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे।

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह', जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निमार्ता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रुव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की

पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है।

जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्त्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है।

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्त्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे. खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं।

जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बबार्दी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे। हमें कागज के उपयोग को सीमित करना होगा, क्योंकि कागज पेड़ों की लकड़ी से बनता है जिसके लिए हमें बड़ी संख्या में पेड़ काटने पड़ते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। प्रकृति से सहज रिश्ता कायम हो। जीवन शैली में बदलाव आये। हर क्षेत्र में संयम की सीमा बने। हमारे दिमागों में भी जो स्वार्थ एवं सुविधावाद का शैतान बैठा हुआ है, उस पर अंकुश लगे। अन्यथा निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।

संपादकीय

बयानबाजी में तल्खी

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सवाल उठाए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को तल्ख अंदाज में सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी को संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने ह्यएक्सह्ल कर अपने पोस्ट में अपने कथन की बिना व्याख्या किए यह सब लिखा है। इसी तरह का बयान भाजपा के राज्य सभा सदस्य दिनेश शर्मा ने भी दिया है। अपने नेताओं के बयानों से घिरी भाजपा ने औपचारिक रूप से खुद को इन बयानों से अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शब्द कहा कि दुबे या शर्मा के बयान उनके व्यक्तिगत विचार है, और पार्टी इनसे सहमत नहीं है।

भाजपा सांसदों के बयानों पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार करते हुए इन बयानों को अपमानजनक बताया। दुबे और शर्मा की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। यह अधिनियम इस महीने की शुरूआत में संसद ने पारित किया था। अदालत द्वारा इस कानून के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने पर सहमति व्यक्त की है।

इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि देश में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और ह्यसुपर संसदह्ल के रूप में काम करेंगे। दरअसल, धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र कर रहे थे जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समय-सीमा तय की गई है। उनका कहना था कि पहली दफा है जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है।

शीर्ष अदालत द्वारा कोई सवाल उठाने या मौखिक टिप्पणी करने पर असहज होना परिपक्वता की कमी का परिचायक है। वैसे भी ये सवाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति द्वारा नहीं उठाए थे कि इनमें राजनीतिक अर्थ खोजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। संविधान के संरक्षण का मजबूत आधार हैं। उत्पीड़ित महसूस कर रहा पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाता है। उसे विश्वास होता है कि उसका पक्ष अनसुना नहीं रहेगा। अदालतों पर उसका विश्वास है, जो किसी सूरत डमगमाना नहीं चाहिए। राजनीतिक मंतव्यवश हल्की बयानबाजी से बचा चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर

जनप्रतिनिधि की सजगता एवं प्रशासन के आत्मविश्वास से हर समस्या का समाधान संभव- भूपेंद्र यादव

जिला सचिवालय खैरथल में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिशा की बैठक हुई आयोजित,प्रशासन ने किताब भेंट कर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा जल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण विषय में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मरुधर विशेष

विजय सिंह /मोहम्मद शकील खैरथल । केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने सोमवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना के साथ कार्य कर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करें। केंद्रीय मंत्री यादव ने मुख्य विभागों कि योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को मिले। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही, उन्होंने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व में जारी सभी निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आगामी बैठकों में पूर्ण रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान अधूरी परियोजनाओं और लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क मरम्मत का कार्य नहीं करने वाले और कार्य अधूरा छोड़ने वाले ठेकेदारों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राजस्थान में जिले की 18 रैंक को सुधारने हेतु समयबद्ध कार्य योजना बनाकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंप एवं ट्यूबवेल की कार्यशीलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वे कर रिपोर्ट कार्यालय को प्रस्तुत करने और आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने समयसीमा में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कंटिंजेंसी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। पेयजल से जुड़ी कंट्रोल रूम में प्राप्त कुल 24 शिकायतों में से शेष 8 शिकायतों का आज ही निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने बजट घोषणाओं पर अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा कर तय समय सीमा में सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण विषय में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथी उन्होंने कहा जनप्रतिनिधि की सजगता और प्रशासन के आत्मविश्वास से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है। केंद्रीय वन मंत्री ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने नगर निकायों द्वारा संचालित स्वच्छता अभियानों की प्रगति की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि यह मानसिकता ना रखें कि कार्य केवल उच्च स्तर पर ही संपादित होना है। यदि किसी कारणवश कार्य में उच्च स्तर पर विलंब हो रहा हो तो इसकी सूचना तुरंत उनके कार्यालय, उन्हें स्वयं अथवा संबंधित स्थानीय विधायक को दी जाए, ताकि समय पर समस्याओं का समाधान कर आमजन को अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने नगर परिषद खैरथल, तिजारा एवं किशनगढ़ बास में लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु डीएलबी स्तर पर किए गए टेंडर प्रक्रिया का सतत फॉलोअप कर कचरा निस्तारण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। केंद्रीय मंत्री यादव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों में सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

साथ ही, उन्होंने खैरथल-तिजारा जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए "टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान" को व्यापक स्तर पर संचालित करने और जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र सरकार की "पीएम सूर्य घर योजना" की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक किया जाए और उन्हें रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि "पीएम सूर्य घर योजना" केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाना हमारा साझा लक्ष्य है। इसी सोच और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने "प्रधानमंत्री आदर्श सोलर ग्राम योजना" के तहत चयनित ग्रामों वल्लभ ग्राम, बुढ़ीबावल, मोठूका, सोडावास, पेहल और हरसोली में सुदृढ़ कार्य योजना तैयार कर इन्हें आदर्श सोलर ग्राम के रूप में विकसित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी, मुंडावर विधायक ललित यादव, खैरथल-तिजारा जिला कलक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी ज्यैष्ठा मैत्रेयी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडा अतुल प्रकाश,मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, तिजारा प्रधान जयप्रकाश यादव, कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय यादव, नगर परिषद खैरथल सभापति हरीश रोघा, खैरथल सीएमएचओ डॉ.अरविंद गेट सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान प्रशासन ने किताब भेंट कर केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया।

भीषण गर्मी और जाम से हाल हुआ बेहाल परिस्थितियों ने बनाई एक तो कोढ़ ऊपर से खुजली वाली स्थिति

कस्बे में राजमार्ग के एलीवेटेड पुलिया व मुख्य चौराहे पर प्रतिदिन घण्टों का जाम

मरुधर विशेष

कोटपूतली, क्षेत्र में दिन व रात्रि के समय पड़ रही भीषण गर्मी ने जहाँ आम जन जीवन को बुरी तरह परेशान कर रखा है। वहीं कोटपूतली कस्बे में हमेशा की तरह राजमार्ग पर बने एलीवेटेड पुलिया समेत मुख्य चौराहा, सर्विस लेन, डाबला रोड़, पटेल पैट्रोल पम्प व क्रय-विक्रय मार्ग आदि जगहों पर प्रतिदिन लगने वाला घण्टों का जाम भी बड़ी परेशानी का सबब बना हुआ है। गर्मी ने जहाँ पहले ही आमजन के हाल बेहाल कर रखे है। वहीं इस तपिश भरी धूप में जाम में फंसना एक तो कोढ़ ऊपर से खुजली वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। इससे जहाँ पैदल आने जाने वाले राहगीर, एम्बुलेंस, स्कूल व कॉलेज के विधार्थी एवं बुजुर्ग विशेष रूप से परेशान है।

वहीं दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों के लिये भी यह समस्या किसी आफत से कम नहीं है। एक बार जाम में फंसने के बाद सीधी धूप में घण्टों तक फंसा रहना कितना पीड़ादायक हो सकता है। इसका अंदाजा तो स्वतः ही लगाया जा सकता है। यहाँ लगने वाले जाम का मुख्य व स्थाई कारण तो एलीवेटेड पुलिया के निर्माण में की गई तकनीकी गलतियां ही है। क्योंकि पुलिया निर्माण के समय वर्षो पहले लक्ष्मीनगर मोड़ व बानसूर मोड़ पर कट नहीं छोडने के साथ-साथ यहाँ की लाईफ लाईन माने जाने वाली राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के सामने भी कट नहीं छोडने जैसी बड़ी गलतियां अब सुरसा के मूंह की तरह विकराल रूप ले चुकी है। हालांकि पूतली कट पर एलीवेटेड पुलिया बनने से सड़क हादसों में राहत तो मिली है, लेकिन इसका असर कस्बे में लगने वाले जाम पर बिल्कुल भी नहीं पड़ा है उल्टा बानसूर कट पर प्रस्तावित पुलिया निर्माण शुरू नहीं हो पाने के साथ-साथ मुख्य चौराहे की सर्विस लेन स्थित बस स्टैण्ड पुलिस चौकी से लेकर ग्राम मोलाहेड़ा स्थित अंडरपास तक सडक़ क्रॉस करने के लिये एक भी कट ना होने की वजह से इस समस्या ने और भी विकराल रूप ले लिया है। विशेष रूप से बानसूर रोड़ स्थित फल-सब्जी व अनाज मंडी में आने जाने वाले वाहनों एवं कस्बे में एक दूसरी ओर आने वाले लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिससे जाम और भी बढ़ता चला जाता है। वहीं दुसरी ओर एनएचएआई द्वारा जयपुर से दिल्ली की ओर पुलिया व राजमार्ग पर मरम्मत कार्य के चलते भी जाम की स्थिति और भी बढ़ गई है। एनएचएआई द्वारा महज 3-4 कर्मचारियों की ही तैनाती की गई है। जिनके वश में जाम की समस्या से निपटना कतई नहीं है। यही नहीं यातायात पुलिस के बस में भी इसका निराकरण नजर नहीं आता। कुल मिलाकर देखा जाये तो यहाँ के जाम की समस्या एक स्थाई समस्या बन चुकी है। जिसका समाधान अब प्रशासन या सरकार के पास भी नहीं है। इस सम्बंध में राज्य सरकार के स्तर पर ही कोई योजना बनाई जायें तो जाम की समस्या का समाधान मिल सकता है।

माढण पुलिस की बड़ी कार्रवाई : महंत से फिरौती मांगने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

मरुधर विशेष

बहरोड़।(धर्मेन्द्र चर्खिया) बहरोड़ विधान सभा क्षेत्र के माढण थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए श्री सिद्ध सेवाधाम माढण के महंत से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने वाले हिस्ट्रीशीटर अरुण उर्फ अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत (IPS) ने बताया कि जिले में फिरौती, लूट, डकैती और सम्पत्ति से जुड़े अपराधों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शालिनी राज (RPS) और वृत्ताधिकारी बहरोड़ कृतिका यादव (RPS) के निर्देशन में थानाधिकारी रामकिशोर शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर रविवार को आरोपी अरुण उर्फ अर्जुन पुत्र रामनिवास उर्फ लालाराम, जाति अहीर, उम्र 30 वर्ष, निवासी माढण को गिरफ्तार किया।

श्री सिद्ध सेवाधाम माढण के महंत अनिल पुरोहित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। आरोपी उनसे 10 लाख रुपये की मांग कर रहा था और रकम नहीं देने पर जान से मारने की चेतावनी दे रहा था। महंत ने यह भी बताया कि आरोपी एक बदमाश गिरोह का सरगना है और इलाके में डर का माहौल बना रखा है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं और वह वर्तमान में हत्या के मामले में जमानत पर चल रहा है।

गिरफ्तार आरोपी अरुण के खिलाफ माढण थाने के अलावा हरियाणा के कुंड, खोल और अटेली थानों में भी कुल 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण संख्या 60/2025 के तहत BNS की धारा 308 (4) व 351 (2) में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आयोजित

जनप्रतिनिधि की सजगता एवं प्रशासन के आत्मविश्वास से हर समस्या का समाधान संभव : भूपेंद्र यादव

जिला प्रशासन ने किताब भेंट कर भूपेंद्र यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत

एजेंसी

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने सोमवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना के साथ कार्य कर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करें।

यादव ने योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को पहुचाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए ताकि आमजन को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व में जारी सभी निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आगामी बैठकों में पूर्ण रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान अधूरी परियोजनाओं और लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क मरम्मत का कार्य नहीं करने वाले और कार्य अधूरा छोड़ने वाले ठेकेदारों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राजस्थान में खैरथल–तिजारा जिले की 18 रैंक को सुधारने हेतु समयबद्ध कार्य योजना बनाकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंप एवं ट्यूबवेल की कार्यशीलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वे कर रिपोर्ट कार्यालय को प्रस्तुत करने और आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने समय सीमा में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कंटिंजेंसी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। कंट्रोल रूम में पेयजल की कुल 24 शिकायतों में से शेष 8 शिकायतों का आज ही निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने बजट घोषणाओं पर अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा कर तय समय सीमा में सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण विषय में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जनप्रतिनिधि की सजगता और प्रशासन के आत्मविश्वास से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है।

केंद्रीय वन मंत्री ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने नगर निकायों द्वारा संचालित स्वच्छता अभियानों की प्रगति की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि यह मानसिकता न रखें कि कार्य केवल उच्च स्तर पर ही संपादित होना है। यदि किसी कारणवश कार्य में उच्च स्तर पर विलंब हो रहा हो तो इसकी सूचना तुरंत उनके कार्यालय, उन्हें स्वयं अथवा संबंधित स्थानीय विधायक को दी जाए ताकि समय पर समस्याओं का समाधान कर आमजन को अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। केंद्रीय मंत्री ने नगर परिषद खैरथल, तिजारा एवं किशनगढ़ बास में लिगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु डीएलबी स्तर पर की गई टेंडर प्रक्रिया का सतत फॉलोअप कर कचरा निस्तारण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री यादव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों में सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाए।

साथ ही, उन्होंने खैरथल-तिजारा जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने और जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक किया जाए और उन्हें रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजनाष केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जिसके माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाना हमारा साझा लक्ष्य है। इसी सोच और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रधानमंत्री आदर्श सोलर ग्राम योजना के तहत चयनित ग्रामों वल्लभ ग्राम, बुढ़ीबावल, मोठूका, सोडावास, पेहल और हरसोली में सुदृढ़ कार्य योजना तैयार कर इन्हें आदर्श सोलर ग्राम के रूप में विकसित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर, तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी, मुंडावर विधायक ललित यादव, जिला कलक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी ज्यैष्ठा मैत्रेयी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीडा, अतुल प्रकाश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर, तिजारा प्रधान जयप्रकाश यादव, कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त का दो दिवसीय जयपुर दौरा, ईवीएम वेयरहाउस की व्यवस्था पर संतोष जताया

सीईओ ने सभी जिलों में ईवीएम गोदामों में व्यवस्था पर रिपोर्ट मांगी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के सभी जिलों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के रख रखाव और सुरक्षा व्यवस्था के सभी मापदंडों की कड़ाई से पालना करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग द्वारा जयपुर में ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। उन्होंने वेयरहाउस में वोटिंग मशीनों की बेहतरीन सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया। इसके उपरांत राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को ईवीएम वेयरहाउस पर सुरक्षा मानकों की पालना पर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

महाजन के निर्देशानुसार, सभी डीईओ आयोग के सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित होने की पालना रिपोर्ट 30 अप्रैल तक प्रस्तुत करेंगे।

जयपुर ईवीएम वेयरहाउस के निरीक्षण के दौरान श्री गर्ग ने बताया कि आयोग के मानकों के अनुसार ईवीएम गोदामों में निम्न व्यवस्था होना आवश्यक है-

1. निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति आवश्यक रूप से सुनिश्चित हो।
2. जिला निर्वाचन अधिकारी मासिक और त्रिमासिक आधार पर स्वयं निरीक्षण करें।
3. वेयरहाउस के गेट पर ताले और सील की निरीक्षण के दौरान जांच की जाए।
4. सीसीटीवी कैमरों का संचालन दुरुस्त किया जाए और फुटेज का लिंक पुलिस गार्डरूम में उपलब्ध कराया जाए।
5. सभी अग्निशमन यंत्रों की जांच की जाए और उनके रखरखाव की अंतिम तिथि के अनुरूप समय पर जांच होना सुनिश्चित किया जाए।
6. ईवीएम वेयरहाउस में साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

सीईओ महाजन ने निर्देश दिए हैं कि सभी डीईओ स्वयं ईवीएम गोदामों का निरीक्षण कर 30 अप्रैल तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सेना के जवान देश की रक्षा करते हैं, वहीं साधक तपस्या करके बुराइयों से दूर रहने का प्रयास करते हैं : राजनाथ

एजेंसी

सिरोही। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को सिरोही जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे।

उन्होंने आबूरोड़ स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में चल रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया तथा देशव्यापी 'स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण' अभियान शुरू किया।

कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना के जवान और साधकों में फर्क नहीं है। सेना के जवान देश की रक्षा करते हैं, वहीं साधक तपस्या करके बुराइयों से दूर रहने का प्रयास करते है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साधक में एक सैनिक और एक सैनिक में साधक विद्यमान रहता है। सैनिक और साधक दोनो एक बेहतरीन सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना के लिए कार्य करते हैं।

उन्होंने योग, अध्यात्म, सेना, अर्थव्यवस्था तथा आत्म सशक्तिकरण पर बात की। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मकुमारी संस्थान और भारतीय सेना के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया जिसके तहत सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सेना के सेवानिवृत अधिकारी और जवानों के लिए हर माह स्व सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इससे पहले रक्षा मंत्री ने संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी रतन मोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हेलीपेड पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया स्वागत

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सोमवार को मानपुर हवाई पट्टी पहुचने पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने अगवानी की तथा स्वागत किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जिला प्रभारी मंत्री के.के. बिश्नोई, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद लुम्बाराम चौधरी, आबू-पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का 1 मई से होगा ऑनलाईन अनुमोदन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के माइनिंग सेक्टर में समय समय पर प्रक्रिया के सरलीकरण और पारदर्शी व्यवस्था के तहत लिए गए निर्णयों के क्रम में अब माइनिंग प्लान के अनुमोदन की प्रक्रिया सहित अन्य कार्यों को भी ऑनलाईन करने का निर्णय किया है। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य के खनिज विभाग की अप्रधान खनिज लीजों व क्वारी लाइसेंसधारी खानों का माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं के अनुमोदन की प्रक्रिया एक मई से ऑनलाईन होगी। विभाग द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के तहत माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं की स्वीकृति के साथ ही खनिज विभाग से संबंधित नोड्यूज भी एक मई से ऑनलाईन जेनरेट होगा वहीं अब आरसीसी ईआरसीसी ठेकों से जारी होने वाली रसीदें भी एक मई से मेन्युअल के स्थान पर ऑनलाईन दी जाएगी।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि नई व्यवस्था से करीब 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंसधारक लाभान्वित हो सकेंगे वहीं उन्हें अब खनिज विभाग के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अप्रधान खनिजों के माइनिंग लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को माइनिंग प्लान व माइनिंग स्कीम का अनुमोदन करवाना होता है। नियमानुसार विभाग द्वारा 90 दिवस में अनुमोदन की कार्रवाई पूरी करनी होती है।

नवाचार व उत्कृष्ट कार्यों के लिए सीएम भजनलाल शर्मा ने लोक सेवकों को किया पुरस्कृत

एजेंसी

जयपुर। लोक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर के हरीश चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में सोमवार को लोक सेवा दिवस-2025 समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोक सेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 व राजस्थान संपर्क पोर्टल पुरस्कार से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा को दिसंबर 2024 में राईजिंग राजस्थान कार्यक्रम का सफल आयोजन करने के लिए, देवराज, निदेशक, पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग को जीवित प्रमाणपत्र के ऑनलाइन वेरिफिकेशन संबंधित नवाचार के लिए तथा डॉ. विपिन माथुर, प्राचार्य, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर को मेरा अस्पताल मेरी जिम्मेदारी नवाचार के लिए संस्था/ विभाग श्रेणी में मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया। वहीं, व्यक्तिगत श्रेणी में यह पुरस्कार प्रज्ञा केवलरमानी, संभागीय आयुक्त, उदयपुर को जनजाति बहुल क्षेत्रों में लक्ष्य ओलंपिक का आयोजन कर लेक्रोस खेल के कौशल में उत्कृष्टता हेतु प्रेरित करने के लिए, शुभम चौधरी, जिला कलेक्टर, सवाई माधोपुर को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के लिए तथा डॉ. धीरज कुमार सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जोधपुर को निविदा आधारित ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम में नवाचार एवं सफल संचालन के लिए प्रदान किया गया।

इसी क्रम में अनिल कुमार बेनीवाल, पुलिस अधीक्षक, सिरोही को ऑपरेशन परवाज एवं महिला बीट सिस्टम संचालित करने के लिए, मानस सिंह, उप वन संरक्षक, भरतपुर को केवलादेव नेशनल पार्क में ई-व्हीकल शुरु करने एवं बोमा तकनीक का प्रयोग करने के लिए तथा सुमन मालीवाल, जेल अधीक्षक, बीकानेर को कैदियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 दिया गया।

इन अधिकारियों को मिला राजस्थान संपर्क पोर्टल पुरस्कार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोक सेवा दिवस के अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, वैभव गालरिया को वर्ष 2024 में (कृषि विभाग हेतु) तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हेल्थ एश्योरेन्स ऐजेन्सी, प्रियंका गोस्वामी को वर्ष 2024 में संपर्क पोर्टल पर लोक शिकायतों के प्रभावी समाधान में राहत संतुष्टि प्रतिशत में सर्वाधिक वृद्धि करने के लिए पुरस्कृत किया। साथ ही, मुख्यमंत्री शर्मा ने आयुक्त, सुरेश कुमार ओला को वर्ष 2024 में (निदेशालय स्थानीय निकाय हेतु) व रूकमणी रियार, आयुक्त नगर निगम, जयपुर ग्रेटर को वर्ष 2024 में संपर्क पोर्टल पर लोक शिकायतों के प्रभावी समाधान द्वारा औसत निस्तारण समय में उल्लेखनीय कमी सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान संपर्क पोर्टल पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

खेल प्रतियोगिता

कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी परम्परा एवं संस्कृति का एक हिस्सा है : दिया कुमारी

कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी विरासत भी है

एजेंसी

कोटा। कोटा जिले के रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला वर्ग पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की एवं विजेता महिला पहलवानों को मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी परम्परा एवं संस्कृति का एक हिस्सा है। हमारे देश में दशकों से कुश्ती एवं दंगल का आयोजन मेलों और त्यौहारों में होता आया है। कुश्ती एक तरह से हमारी विरासत है।

उन्होंने कहा कि ओलम्पिक में हमारे देश के पहलवानों ने कुश्ती में कई मेडल जीते हैं। इस खेल को आगे बढ़ाने में महिला पहलवानों का भी काफी योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार अंडर 20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का राजस्थान में आयोजन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का कोटा में आयोजन पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजस्थान को चुनने के लिए राष्ट्रीय कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष संजय सिंह एवं राजस्थान कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव दत्ता को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि कोटा में इस आयोजन से हाड़ौती क्षेत्र में कुश्ती को बढ़ावा मिलेगा एवं यहां की लड़कियां कुश्ती प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेंगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित कर रहे हैं। ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं कॉमन वेल्थ खेलों में देश के लिए मेडल जीत रहे हैं। कुश्ती में काफी संभावनाएं हैं और ऐसे आयोजनों से राजस्थान के खिलाड़ियों को भी एक्सपोजर मिलेगा और वे प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि कुश्ती जैसे खेलों में अब लड़कियां भी बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। इन प्रतियोगिता ने लड़कियों को अच्छा प्लेटफॉर्म दिया है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 50 किलो महिला वर्ग कुश्ती में प्रथम रही हरियाणा की विनिता, द्वितीय रही महाराष्ट्र की गौरी, तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से रही दिल्ली की श्रुति एवं कर्नाटक की श्वेता को मेडल पहनाए एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए। इस अवसर पर कुश्ती फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में इस आयोजन से यहां कुश्ती को बढ़ावा मिलेगा एवं कुश्ती का खेल नई ऊंचाईयों को छुएगा। कार्यक्रम को विधायक कोटा दक्षिण संदीप शर्मा एवं राजस्थान कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव दत्ता एवं अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

डॉ.आर.सी. यादव ने पेश की इंसानियत की मिसाल दुर्घटना में घायल व्यक्ति को खुद की गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल"

मरुधर विशेष

बहरोड़।(धर्मेन्द्र चर्खिया) बीती रात 20 अप्रैल को करीब 10:15 बजे, गंडाला से बहरोड़ की ओर जाते वक्त भीटेड़ा और मिलकपुर स्टैंड के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कार और मोटरसाइकिल की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर सवार दो लोगों में से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के वक्त वहां से गुजर रहे कांग्रेस नेता डॉ. आर.सी. यादव ने इंसानियत की मिसाल पेश की। जब अधिकांश लोग हादसे की फोटो-वीडियो लेने में लगे थे, तब डॉ. यादव ने खून से लथपथ घायल युवक को अपनी गाड़ी में बैठाकर अस्पताल पहुंचाया। घायल को सिर में गंभीर चोट और पैर में फ्रैक्चर हुआ था। प्राइमरी इलाज के बाद उसे बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

डॉ. आर.सी. यादव ने समाज से अपील की है कि -

"ऐसे वक्त पर यह न सोचें कि गाड़ी गंदी हो जाएगी या पुलिस पूछताछ करेगी। किसी की जान बचाना सबसे बड़ी सेवा है।" उनकी यह भावना और साहस वाकई सराहनीय है, और हम सब को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

जिला कलेक्टर ने भी अधिकारियों की बैठक पानी और बिजली पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के दिए निर्देश

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, । जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने सोमवार को पंचायत समिति डीग में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना के साथ कार्य कर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करें।

मुख्य विभागों कि योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की

जिला कलेक्टर ने मुख्य विभागों कि योजनाओं एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सुनिश्चित करें कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को मिले। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

इसके साथ ही, उन्होंने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व में जारी सभी निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आगामी बैठकों में पूर्ण रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों।

हर हफ्ते जिला स्तर से की जाएगी पानी और बिजली की समीक्षा

श्री कौशल ने जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने एवं पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों और आंगनवाड़ियों में पेयजल सप्लाई की समीक्षा करते हुए शेष बचे हुए आंगनवाड़ी में पर्याप्त मात्रा में सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम से उनके क्षेत्र में पानी और बिजली की स्थिति जानी। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है और जेवीवीएनएल व पीएचईडी विभाग के अधिकारियों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। श्री कौशल ने हर हफ्ते जिला स्तर पर पानी और बिजली की स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

समय सीमा में सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारे अधिकारी

उन्होंने बजट घोषणाओं पर अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा कर तय समय सीमा में सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। सवाई खेड़ा डिप्रेशन कार्य में जल संसाधन विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्य में कुल 2700 मीटर की पाइप बिछाई जानी है जिनमें से 600 मीटर की सप्लाई आ गई है और 185 मीटर पाइप बिछ चुकी है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि आगामी समय में कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 344 चालान काटे गए

अवैध खनन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 20 दिन के भीतर 53 ओवरलोड चालान काटे जा चुके हैं जिसके अंतर्गत 6.72 लाख रुपए की वसूली की गई है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक 198 चालान काटे गए थे। इस संख्या में इजाफा करते हुए अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक और अधिक सख्ती के साथ कुल 344 चालान काटे गए। बैठक में अवैध खनन विभाग के अधिकारी और लीज धारकों ने अवगत कराया कि अवैध खनन पर पूर्णतः रोकथाम लग चुका है जिसके लिए उन्होंने जिला कलेक्टर का धन्यवाद दिया। रोड सेफ्टी की समीक्षा के दौरान आईरेड पोर्टल की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए ब्लैक स्पॉट चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए गए ताकि आगामी कार्रवाई समय पर की जा सके।

नीमराना मोड फ्लाईओवर पर आगे चल रहे वाहन चालक ने अचानक लिए ब्रेक पीछे चल रहा कंटेनर टकराया कंटेनर चालक के हादसे में हुई मौत

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) जयपुर दिल्ली नेशनल हाईवे 48 नीमराना मोड फ्लाईओवर पर रविवार रात्रि को दो वाहनों में भिड़ंत हो जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। नेशनल हाईवे अथॉरिटी के पेट्रोलिंग ड्यूटी इंचार्ज देवेंद्र कुमार ने बताया कि हमें रात करीब दो बजे मिली कि नीमराना मोड फ्लाईओवर पर दिल्ली रोड पर दो वाहनों में भिड़ंत हो गई।मौके पर पहुंचे तो कंटेनर चालक केबिन में फंसा हुआ था मौके पर क्रेन बुलाई गई। दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर के केबिन से चालक को बाहर निकाला गया लेकिन चालक की मौत हो चुकी थी। कंटेनर चालक के साथी दूसरी गाड़ी के चालक संदीप कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना करीब रात को 3बजे मिली तो आगे जा चुके फिर गाड़ी को दुर्घटनाग्रस्त स्थल पर पहुंचे तो चालक सोमदत्त समस्तीपुर बिहार निवासी की मौत हो चुकी थी। हम लोग मुंबई से दिल्ली के लिए सामान भरकर ले जा रहे थे उस दौरान नीमराना मोड फ्लाईओवर पर यह दुर्घटना हो गई। मृतक चालक अविवाहित था। हाईवे की पेट्रोलिंग टीम के ड्यूटी इंचार्ज देवेंद्र कुमार ने बताया कि दो गाड़ियों में आपस में भिड़ंत हुई है जिससे यह हादसा घटित हुआ। पुलिस के द्वारा मृतक चालक का शव नीमराना के सरकारी अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है ।परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम का परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

जालावास गांव में सेवानिवृत्ति फौजी ने ससुराल में आकर पिस्तौल से चलाई गोली

ताऊ ससुर के लगी गोली गंभीर हालत के चलते गुरुग्राम में भर्ती

मरुधर विशेष

नीमराना(सुनील मेघवाल) नीमराना के समीपवर्ती गांव जालावास मे रविवार रात करीब पौने दो बजे एक सेवानिवृत्त फौजी ने अपने सुसराल पक्ष पर लाईसेंसी रिवॉल्वर से गोली चला दी। गोली उसके ताऊ ससुर के सिर से होते हुऐ गर्दन के पार निकल ग?ई जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गये। जिन्हें गंभीर अवस्था में गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है। वहीं एक गोली साले के सिर के पास होकर निकली जिससे वह बाल बाल बचा। संदर्भ मे मुंडावर थाने हजारीलाल पुत्र सुण्डाराम ने मामला दर्ज करवाया है की उसके चाचा की लडकी संतोष की शादी करीब 18 वर्ष पहले मुण्डावर के मऊ गांव मे हुई थी। उसका पति विक्रम यादव पुत्र चंद्रभान यादव जो की फौज से सेवानिवृत्त है, वो 21 अप्रैल को रात करीब 1:45 बजे हमारे घर जालावास आया एवं जोर जोर से गाली निकालते हुऐ झगडा करने लगा। हमने समझाने का प्रयास किया लेकिन नहीं माना। सुसराल पक्ष ने इसकी सूचना विक्रम की पत्नी संतोष, भाई जयप्रकाश व हवासिहं को भी दी। वो मौके पर आये एवं समझाने का प्रयास किया लेकिन विक्रम झगडे पर उतारु रहा। इसी दौरान विक्रम के ताऊ ससुर सुबेदार विशम्भर दयाल जब अपने दामाद को समझाने लगे तो विक्रम ने शर्ट के नीचे छुपाकर रखी रिवॉल्वर निकाल अपने ताऊ ससुर पर फायर कर दिया, गोली सिर से होते हुऐ गर्दन के पीछे निकल ग?ई, इधर आरोपी ने दूसरा फायर अपने साले गजेसिहं पर कर दिया।गोली सिर के पास होते हुऐ निकल ग?ई। आरोपी को उसके भाई एवं सुसराल पक्ष ने काबू मे करते हुऐ मुण्डावर पुलिस को सूचित किया। सूचना पर मुण्डावर पुलिस मौके पर पहुंची एवं आरोपी को मय हथियार गिरफ्तार कर लिया। इधर गोली लगने से गंभीर रुप से घायल हुऐ सुबेदार विशम्भर दयाल को प्राथमिक उपचार के बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल मे भर्ती करवाया गया।जहां उनका गम्भीर अवस्था मे उपचार चल रहा है।

नीमराना उपखंड अधिकारी ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के लिए समीक्षा बैठक

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना उपखंड अधिकारी महेन्द्र सिंह यादव द्वारा ब्लाक नीमराना के सभी ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक सोमवार को पंचायत समिति नीमराना के वी सी हाल में आयोजित की गयी। उपखंड अधिकारी ने सभी ब्लाक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनकी अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी अपना मुख्यालय नहीं छोड़े। उपखंड अधिकारी ने जलदाय विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में पेयजलापूर्ति किया जाना सुनिश्चित करें तथा पेयजल संबंधी कोई भी शिकायत प्राप्त होती है तो उसका तुरंत निस्तारण करे।चिकित्सा विभाग के बीच सी एम ओ को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में मौसमी बीमारियों पर पूरी नजर रखे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी निर्देश देवे कि वे भी मौसमी बीमारियों पर पूरी नजर रखे एवं मरीज को तत्काल चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विकास अधिकारी को भी निर्देश दिए कि नरेगा कार्य में अधिकाधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध करवाए तथा नरेगा कार्य स्थल पर छाया,पानी, मेडिकल किट आदि व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें।उपखंड अधिकारी ने बिजली विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य उपस्थित सभी विभागों के अधिकारीयों को निर्देश दिए कि अपने अपने विभाग से संबंधित कार्यों को समय पर किया जाना सुनिश्चित करें तथा आम जन की शिकायते का त्वरित निराकरण करें । उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादो का भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में तहसीलदार मांढण सुमित भारद्वाज, विकास अधिकारी दिनेश कुमार, सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश निर्मल, पशु-चिकित्सक डा. सतपाल यादव, ब्लाक सांख्यिकी अधिकारी कुसुम कुमार गोयल, नायब तहसीलदार रामनिवास गोठवाल, बी सी एम् ओ डॉ सुरेश कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जालावास मनेठी में मैडा वाले बाबा का दो दिवसीय विशाल मेला एवं शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

आज मंगलवार को विशाल भंडारा एवं रागनी कंपटीशन का होगा आयोजन

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) जालावास मनेठी गांव में स्थित बाबा मैडा वाले का दो दिवसीय कार्यक्रम सोमवार से पांचवी विशाल शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। मेला कमेटी के सदस्य नवल फौजी व महिपाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति लोक देवता बाबा मैडा वाले का वार्षिक मेला एवं भंडारा, रागनी कंपटीशन शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन होता है। दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत सोमवार पांचवी विशाल शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ प्रतियोगिता में 20 टीम भाग ले रही है। शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन धर्मवीर उर्फ़ गबरु सरपंच बामबड़ हरियाणा के द्वारा किया गया। विजेता टीम को ?11000 इनाम राशि तथा उपविजेता टीम को ?5100 इनाम राशि दी जाएगी। जबकि रात्रि को बाबा का जागरण का आयोजन होगा। आज 22 अप्रैल को सुबह 8:15 बजे हवन 10:15 बजे से विशाल भंडारा ,रागनी कंपटीशन का कार्यक्रम आयोजित होगा। रागनी कंपटीशन के दौरान हरियाणवी कलाकारों के द्वारा बाबा का गुणगान किया जाएगा।

गांव नूनिया के वाशिंदों ने पंचायत परिसीमन में उनके गांव को बसेठ में यथावत रखने की मांग को लेकर एडीएम को ज्ञापन सौंपा

मरुधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । ग्राम नूनिया के वाशिंदों ने बसेठ में यथावत रखने की मांग को लेकर सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वितीय योगेश डागुर को अलवर में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि अटल सेवा केन्द्र बसेठ से नूनिया की दूरी केवल 800मीटरहै।और दोनों गांव खेरली व लक्ष्मणगढ़ स्टेट हाइवे से दोनों गांव जुड़े हुए है। इसके अलावा हमारे अधिकांश बच्चे उच्च मा विद्यालय बसेठ में अध्ययनरत है। जबकि नवसर्जित ग्राम पंचायत लाठकी की नूनिया से दूरी ज्यादा और आने जाने का रास्ता कच्चा है। ज्ञापन में नूनिया को ग्राम पंचायत बसेठ में यथावत रखने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में सोनया राम मीना पूर्व सरपंच,गोपाल मेम्बर,मुन्नी लाल सैनी, सुरेश मीना, शिंभू दयाल, जयमल मीना, लक्ष्मण सिंह राजपूत,उदयसिंह राजपूत , गोपाल सिंह, बलधारी मीना, गुलाब खान मोती सिंह राजपूत बसेठ, रूपसिंह सैनी, मनोहरी मीना , केसरी सिंह राजपूत नवल सिंह राजपूत ,प्रदीप सिंह राजपूत, महेन्द्र सिंह राजपूत, बजरंग सिंह राजपूत, हरसुख सैनी, रामजीलाल सैनी, गोविन्द सहाय शर्मा, महेश कुमार भिलवारा आदि सर्व समाज के लोग मौजूद थे।

कस्बे के एक युवक ने कर्जदारों के दबाव में आकार की आत्महत्या

मरुधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । कस्बे के 44 वर्षीय एक युवक ने कर्जदारों के दबाव व उनके द्वारा जान से मारने की धमकी मिलने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर थानाधिकारी महेश तिवाड़ी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना कर शव को सीएचसी पहुंचवाया और पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया। मृतक युवक ने मरने से पूर्व सुसाइड नोट लिखा है। जिसमें मृतक ने उसे तीन कर्ज देने वाले लोगों ने परेशान करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मौत का जिम्मेदार बताया है। मृतक के लोवर में सुसाइड नोट को पुलिस ने अपने कब्जे में कर लिया। और मृतक के बड़े भाई पवन सोनी पुत्र शिवचरण सोनी हाल निवासी जयपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई। थानाधिकारी महेश तिवाड़ी ने बताया कि उन्हें सोमवार सुबह मोबाइल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने जैन मोहल्ला कठूमर में अपने घर में पंखा पर फंदा लगाकर आत्म हत्या कर ली । सूचना मिलने पर थानाधिकारी मय जाप्ता के रवाना होकर जैन मोहल्ला कठूमर पहुंचे। जहां पर मृतक आकाश पुत्र शिवचरण सोनी उम्र 41साल निवासी जैन मोहल्ला कठूमर जिला अलवर की लाश मौके को परिजनों द्वारा पंखा से उतार कर फर्श पर रख रखा था। मृतक आकाश की लाश को मोर्चरी कठूमर में रखवाया गया घटनास्थल को सुरक्षित किया गया तत्पश्चात मृतक आकाश की लाश का फर्द पंचायत नामा की कार्यवाही के बाद लाश को अंतिम दाह संस्कार हेतु परिजनों को सुपुर्द किया गया। मृतक ने अपनी दुकान के अंदर बने कमरे में चुन्नी लगाकर आत्महत्या की।

मृतक आकाश

बूंदी ज़िले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल

केशवराय मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर श्रद्धालु सड़कों पर उतरे, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मरुधर विशेष

केशोरायपाटन केशवरायपाटन कस्बे में स्थित प्राचीन भगवान केशवराय मंदिर के जीर्णोद्धार और शिल्प कला के संरक्षण की मांग को लेकर श्रद्धालु अब सड़कों पर उतर आए हैं।सोमवार सुबह श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर से रैली की शुरुआत की और पैदल मार्च करते हुए उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां प्रदेश और केंद्र सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया।श्रद्धालुओं का कहना है कि यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि ऐतिहासिक और शिल्प कला की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंदिर के शिखर और सिंह द्वार में दरारें आ गई हैं, जिससे इसका प्राचीन स्वरूप नष्ट होता जा रहा है। महंत राम लखन दास महाराज ने बताया कि यह मंदिर 1698 में हाड़ा काल के राजा शत्रुसाल द्वारा बनवाया गया था। लेकिन देवस्थान विभाग की लापरवाही के चलते मंदिर की कई शिल्पकृतियां नष्ट होने की कगार पर हैं।विभाग केवल दान पात्र से धनराशि निकाल रहा है, जबकि रख रखाव के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।श्रद्धालुओं ने मंदिर के संरक्षण और विकास की जिम्मेदारी पुरातत्व विभाग को सौंपने की मांग की है। उनका कहना है कि अब यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक मंदिर की दशा में सुधार नहीं होता।राजनीतिक और प्रशासनिक वादों पर भी सवाल उठे हैं।श्रद्धालुओं का आरोप है कि कई बार अधिकारी और जनप्रतिनिधि मंदिर का दौरा कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्य नहीं हुआ। देवस्थान विभाग के निरीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि मंदिर के विकास के लिए स्वदेश भारत दर्शन योजना के तहत लगभग 70 करोड़ रुपये के कार्य जल्द शुरू होंगे।

पंकज खुराना आईएफडब्ल्यूजे संगठन के खैरथल जिला इकाई के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत, क्षेत्र में हर्ष का माहौल

मरुधर विशेष

विजय सिंह/ मोहम्मद शकील खैरथल । देश के प्रथम एवं अग्रणी तथा राजस्थान प्रदेश के सबसे विस्तृत इकाइयों वाले पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ पत्रकार हेमन्त जैमन की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़ ने खैरथल के पत्रकार पंकज खुराना को खैरथल जिला इकाई के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। खुराना के खैरथल-तिजारा जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर जिले के समस्त पत्रकारों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए पंकज खुराना को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। पंकज खुराना को खैरथल जिला इकाई के जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़ ने पत्रकार पकंज खुराना को संगठन जिले का नेतृत्व करते हुए खैरथल जिला इकाई सहित उपखण्डों पर संगठन को मजबूत करने और पत्रकारों के हितों के लिये कार्य करने निर्देश दिए हैं। जिलाध्यक्ष बनने पर पंकज खुराना ने आईएफडब्ल्यूजे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़ और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ पत्रकार हेमन्त जैमन का आभार जताया है और संगठन को मजबूत करने और पत्रकारों के हितों के लिये कार्य करेंगे।

जी.एल.एम. एग्रीकल्चर कॉलेज के ग्यारह छात्रों का ग्रोफास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुआ चयन

मरुधर विशेष

विजय सिंह /मोहम्मद शकील किशनगढ़ बास । किशनगढ़ बास के तिजारा भिवाड़ी सड़क मार्ग पर स्थित जी.एल.एम. एग्रीकल्चर कॉलेज मांचा किशनगढ़ बास 11 छात्रों का ग्रोफास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में चयन होने पर कॉलेज परिवार सहित क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कुमारी आशा ने बताया कि ग्रोफास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिनांक 19 अप्रैल 2025 को जी.एल.एम. एग्रीकल्चर कॉलेज, मांचा में कृषि अधिकारियों एवं सेल्स अधिकारियों की भर्ती हेतु कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि पृष्ठभूमि से जुड़े फाइनल ईयर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्लेसमेंट सेल प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि इस ड्राइव के दौरान कंपनी ने 11 प्रतिभाशाली छात्रों का चयन किया गया है। इनमें से हर्षित गुप्ता, रवि कुमार, वैभव बारी, गोविंद चौधरी, टिंकू प्रजापत और देशराज यादव सहित 6 छात्रों को कृषि अधिकारी पद के लिए तथा अनमोल शर्मा, रामनरेश सैनी, उमेश कुमार, अरविंद कुमार पाटीदार और प्रदीप जाटव सहित 5 छात्रों को सेल्स अधिकारी पद के लिए चुना गया है। कंपनी के अधिकारियों ने छात्रों की तैयारी, आत्मविश्वास और कौशल की सराहना करते हुए कॉलेज में उपलब्ध प्रतिभा की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कुमारी आशा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए ग्रोफास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड का आभार प्रकट किया, जिन्होंने छात्रों को उत्कृष्ट करियर अवसर प्रदान किए। कार्यक्रम का सफल आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास में वृद्धि और उद्योग व शिक्षा जगत के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

जिला उपाध्यक्ष निहाल मीणा ने किया शीतल जल सेवा केन्द्र का शुभारंभ

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां -भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए सोमवार को राजेन्द्र प्रसाद लोहिया उर्फ लाला लोहिया ने आमजन को शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य सीओ कार्यालय व पीएम श्री माध्यमिक विद्यालय के पास बाटर कूलर का निर्माण कराया जिसका शुभारंभ जिला उपाध्यक्ष निहाल मीणा ने किया । उपाध्यक्ष निहाल मीणा ने शीतल जल सेवा केन्द्र का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही बताया कि पूर्व पालिकाध्यक्ष स्वर्गीय गोरधनदास लोहिया एवं उनकी धर्मपत्नि स्व. श्रीमती रामदुलारी की याद में उनके पुत्र राजेन्द्र प्रसाद उर्फ लाला लोहिया के द्वारा वाटर कूलर का निर्माण करवाया गया है साथ ही बताया कि भीषण गर्मी से आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आज लोहिया परिवार ने आमजन को एक राहत प्रदान की है बहुत बड़ा योगदान है इस परिवार का जिन्होंने सीओ कार्यालय पीएम श्री माध्यमिक विद्यालय के पास वाटर कूलर लगवाया है जिससे राह चलते लोगों को गर्मी के मौसम में राहत प्रदान होगी साथ ही मीणा ने कहा कि हम सभी लोगों को उपयुक्त स्थान देखते हैं गर्मी के मौसम में शीतल जल जनता उपलब्ध कराने के लिए ऐसे भामाशाह को आगे चाहिए जिंससे आमजन को इस भीषण गर्मी में पेयजल उपलब्ध हों सके। इस मौके पर ओमप्रकाश लोहिया, हरीराम लोहिया, प्रदीप लोहिया, अशोक लोहिया, मयंक, रविन्द्र तरगोतरा, चन्द्रशेखर पार्षद, रवि तिवारी, प्रकाश मीणा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732